aglasem.com

FOR HARYANA CLASS 12 PREPARATION

# HBSE Class 12 Sample Paper 2027 Hindustani Music Instrumental (Melodic) with Marking Scheme

| EXAM | YEAR | TYPE | SUBJECT |
| --- | --- | --- | --- |
| Haryana Class 12 | 2027 | Sample Paper | Music |

# Marking Scheme

## BSEH Model Paper ( 2026-2027)

**CLASS: 12th (Sr. Secondary)** **Code: A**

Roll No. | | | | | | | | | | |

हिंदुस्तानी संगीत वादन

**( Hindustani Music Instrument) Melodic**

(Hindi and English Medium)

**ACADEMIC / OPEN**

(Time allowed: 2½ hours) (Maximum Marks: 30)

---

**खंड (1) वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न 1 से 8**

**Section (1)** Objective type questions

**(01 X 08 = 08)**

---

- **प्रश्न 1: भारतीय संगीत में वर्ण कितने प्रकार के होते हैं?**
  - **उत्तर** C) चार स्थायी, आरोही, अवरोही, और संचारी
- **प्रश्न 2: राग देश किस ठाठ के अंतर्गत आता है?**
  - **उत्तर** C) खमाज
- **प्रश्न 3: दो मुख्य ग्राम _____ और _____ हैं।**
  - **उत्तर** षड्ज ग्राम और मध्यम ग्राम
- **प्रश्न 4: झपताल में _____ मात्राएँ होती हैं।**
  - **उत्तर** 10 (दस
  **प्रश्न 5.** कथन प्रत्येक राग का एक निश्चित आरोह और अवरोह होता है।
  कारण प्रत्येक राग निश्चित नियमों का पालन करता है।

- **उत्तर A) दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।**
- *विवरण* राग के निर्माण के लिए आरोह अवरोह स्वरों के चढ़ने और उतरने का क्रम होना अनिवार्य है, और यह राग के उन निश्चित नियमों वादि संवादि, जाति आदि का हिस्सा है जिनका राग में सख्ती से पालन किया जाता है।
- **प्रश्न 6.** कथन एकताल में 12 मात्राएँ होती हैं।
  कारण यह छह विभागों में विभाजित है।

- **उत्तर A) दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।**

- *विवरण* भारतीय संगीत ताल प्रणाली में, 'एकताल' में वास्तव में कुल 12 मात्राएँ होती हैं और इसकी रचना 2-2 मात्राओं के 6 विभागों ताली खाली में विभाजित होती है।

**प्रश्न 7. गायकी अंग के लिए जाने जाने वाले प्रसिद्ध सितार वादक का नाम बताइए**

- **उत्तर उस्ताद विलायत खान** विस्तार जानें
- *विवरण* उस्ताद विलायत खान को 'गायकी अंग' (सितार पर भारतीय शास्त्रीय गायन की शैली और मिठास को उतारना का जनक और सबसे प्रसिद्ध प्रतिपादक माना जाता है।

**प्रश्न 8. 'भारत की कोकिला' (नाइटिंगेल ऑफ इंडिया के रूप में किसे जाना जाता है?**

- **उत्तर सरोजिनी नायडू** अधिक जानकारी
- *विवरण* सरोजिनी नायडू को उनकी उत्कृष्ट और मधुर कविता शैली के कारण 'भारत की कोकिला' की उपाधि दी गई थी। *(नोट संगीत जगत में लता मंगेशकर को अक्सर 'स्वर कोकिला' कहा जाता है, लेकिन सामान्य ज्ञान में 'भारत की कोकिला' सरोजिनी नायडू को ही माना जाता है।*

---

**खंड (2) अति लघुउत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न 9 से 12**

**Section (2)** Very short answer type questions

**(02 X 02 = 04)**

---

**प्रश्न 9. वर्ण को परिभाषित कीजिए। अथवा ग्राम को परिभाषित कीजिए।**

**उत्तर** गायन या बजाने की क्रिया को **वर्ण** कहते हैं। राग के स्वरों का विस्तार करने, उन्हें चढ़ते उतरते क्रम में गाने और दोहराने की प्रक्रिया वर्ण कहलाती है। यह चार प्रकार के होते हैं स्थायी, आरोही, अवरोही और संचारी

*(अथवा*

**ग्राम** निश्चित श्रुतियों पर स्थापित सात स्वरों के समूह को **ग्राम** कहते हैं भारतीय संगीत में तीन ग्राम माने गए हैं षड्ज ग्राम, मध्यम ग्राम और गांधार ग्राम वर्तमान में केवल षड्ज ग्राम का ही प्रचलन है

**प्रश्न 10. गमक और मींड में अंतर स्पष्ट कीजिए। अथवा आलाप को परिभाषित कीजिए।**

**उत्तर**

- **गमक** यह स्वरों का एक शक्तिशाली और कलात्मक कंपन होता है। इसमें स्वर को भारीपन और गूंज के साथ हिलाकर गाया जाता है
- **मींड** यह एक स्वर से दूसरे स्वर पर अटूट रूप से, फिसलते हुए जाने की क्रिया है। इसमें बीच के स्वरों को भी स्पर्श किया जाता है।

*(अथवा*

**आलाप** राग के स्वरूप, उसकी जाति और चलन को स्पष्ट करने के लिए स्वरों का विलंबित धीमी लय में विस्तार करना **आलाप** कहलाता है। इसके द्वारा गायक या वादक श्रोताओं में उस राग का भाव स्थापित करता है।

**प्रश्न 11. झपताल की विशेषताएँ लिखिए। अथवा चौताल की व्याख्या कीजिए।**

**उत्तर**

**झपताल की विशेषताएँ**

- इसमें कुल 10 मात्राएँ होती हैं।
- मात्राओं का विभाजन \(2 + 3 + 2 + 3\) के रूप में 4 विभागों में होता है।
- पहली, तीसरी और आठवीं मात्रा पर ताली होती है।
- छठी मात्रा पर खाली होती है।

*(अथवा*

**चौताल** यह ध्रुपद गायन में प्रयोग की जाने वाली एक बहुत ही गंभीर और प्रसिद्ध ताल है। इसकी मुख्य विशेषताएँ हैं

- इसमें कुल 12 मात्राएँ होती हैं।
- इसके 6 विभाग होते हैं, और हर विभाग में 2-2 मात्राएँ होती हैं \(2 + 2 + 2 + 2 + 2 + 2\))।
- पहली, पांचवीं, नवीं और ग्यारहवीं मात्रा पर ताली होती है।
- तीसरी और सातवीं मात्रा पर खाली होती है।

**प्रश्न 12. भारतीय संगीत में उस्ताद विलायत खान के योगदान को लिखिए। अथवा पंडित विश्व मोहन भट्ट पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।**

**उत्तर**

**उस्ताद विलायत खान** आप भारतीय शास्त्रीय संगीत के इतिहास में सबसे महान सितारवादकों में से एक थे। आपका मुख्य योगदान 'गायकी अंग' (सितार पर गायन शैली की तरह सुर लगाना विकसित करना था। इसके अलावा, आपने सितार में कुछ सुधार किए जैसे 'जवारी' के काम में बदलाव , जिससे वाद्ययंत्र की ध्वनि अधिक मधुर और गूंजने वाली हो गई।

*(अथवा*

**पंडित विश्व मोहन भट्ट** आप विश्व प्रसिद्ध 'मोहन वीणा' के आविष्कारक और वादक हैं। आपने पारंपरिक भारतीय वीणा और पश्चिमी स्लाइड गिटार का मिश्रण करके 'मोहन वीणा' का निर्माण किया। भारतीय शास्त्रीय संगीत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने में आपका अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। इस शानदार उपलब्धि के लिए आपको प्रतिष्ठित ग्रैमी पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

खंड (3) लघुउत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न 13 से 15

**Section (3)** short answer type questions

**( 03 X 03 = 09)**

---

**प्रश्न 13: ठाट और राग में अंतर**

ठाट और राग हिंदुस्तानी संगीत के दो मुख्य आधार हैं। ठाट वह क्रमिक स्वर समूह है जिससे राग उत्पन्न होते हैं जैसे कल्याण, बिलावल । ठाट कभी गाए नहीं जाते और इनमें आरोह अवरोह होना आवश्यक नहीं है। इसके विपरीत, राग किसी ठाट से उत्पन्न होता है, गाने बजाने योग्य होता है और इसमें रंजकता मनमोहक गुण व निश्चित आरोह अवरोह होते हैं।

**अथवा**

**एक वाद्य कलाकार वादक के गुण और दोष**

- **गुण** एक अच्छे वादक में लय ताल पर पूर्ण नियंत्रण, उँगलियों और मिजराब गज का सटीक संचालन, वाद्य यंत्र की उत्तम ध्वनि का ज्ञान, और रचना को विस्तार देने की क्षमता होनी चाहिए।
- **दोष** गलत या बेसुरा सुर लगाना, वाद्य यंत्र का खराब ट्यूनिंग, लय से भटक जाना, और वादन के दौरान अनावश्यक भाव भंगिमाएं बनाना वादक के मुख्य दोष हैं।

भारतीय संगीत में थाट और राग के बीच के वैज्ञानिक और सैद्धांतिक अंतर को समझने के लिए आप यह वीडियो देख सकते हैं

**प्रश्न 14: राग भूपाली का शास्त्रीय परिचय**

- **थाट** कल्याण
- **जाति** औडव औडव आरोह और अवरोह दोनों में 5-5 स्वर
- **वादी स्वर** गंधार ग
- **संवादी स्वर** धैवत ध
- **वर्जित स्वर** मध्यम म और निषाद नि
- **गायन समय** रात्रि का प्रथम प्रहर
- **आरोह** सा, रे, ग, प, ध, सां
- **अवरोह** सां, ध, प, ग, रे, सा
- **पकड़** ग रे सा, ध, सा रे ग प, ग ध प ग रे सा
- **प्रकृति** यह शांत और मधुर प्रकृति का राग है।

**प्रश्न 15: मध्यकालीन भारतीय संगीत पर टिप्पणी**

मध्यकालीन भारतीय संगीत 8वीं से 18वीं शताब्दी का काल भारतीय संगीत के लिए स्वर्ण युग और परिवर्तनों का समय था। इस दौरान इस्लामी और फ़ारसी संस्कृति के प्रभाव से हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत की धाराएँ अलग हो गईं। अलाउद्दीन खिलजी, अकबर और शाहजहाँ जैसे मुगल सम्राटों के संरक्षण में संगीत ने काफी प्रगति की। इसी काल में ध्रुपद, खयाल, तराना जैसी गायन शैलियाँ और सितार व तबला जैसे वाद्य यंत्र अस्तित्व में आए।

---

**खंड (4) दीर्घ उत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न 16**

**Section (4)** Long answer type questions

**( 05 X 01 = 05 )**

.....

**प्रश्न 16: राग देश Raag Desh) का विस्तृत शास्त्रीय विवरण**

**1. स्वर**

इस राग में गंधार ग और धैवत ध स्वर आरोह में वर्जित होते हैं। आरोह में शुद्ध निषाद नि और अवरोह में कोमल निषाद नि का प्रयोग किया जाता है। इसके अलावा, ऋषभ रे इस राग का केंद्र बिंदु पकड़ है।

**2. गायन समय**

इस राग को गाने और बजाने का उपयुक्त समय रात्रि का द्वितीय प्रहर रात 9 बजे से 12 बजे तक माना जाता है।

**3. प्रकृति**

यह बहुत ही मधुर, चंचल और श्रृंगार रस से परिपूर्ण राग है। इसे अधिकतर छोटे खयाल, ठुमरी, टप्पा और लोकगीतों में गाया बजाया जाता है। हमारा राष्ट्रगीत वंदे मातरम भी इसी राग पर आधारित है।

**अथवा**

**ताल का विस्तृत परिचय**

यहाँ झपताल का विस्तृत विवरण और अन्य प्रमुख तालों की जानकारी दी गई है

**1. झपताल Jhaptaal)**

- **मात्राएँ** 10
- **विभाग** 4 (2, 3, 2, 3 के रूप में
- **ताली खाली** पहली व तीसरी मात्रा पर ताली X, 2), छठी पर खाली 0), आठवीं मात्रा पर तीसरी ताली 3)
- **बोल** धी ना | धी धी ना | ती ना | धी धी ना
- **दुगुन दोगुनी लय** इसे एक मात्रा में दो बोलों को रखकर लिखा पढ़ा जाता है।
  - मात्रा Matra): 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10
  - बोल Bol): धीना | धीधी | नाती | नाधी | धीना | धीना | धीधी | नाधी | नाधी | नाधी